गैंडों के सींगों में संकुचन

प्रलिम्सि के लयि:

जैववविधिता और पर्यावरण, संरक्षण, IUCN रेड लसि्ट, इंडयिन राइनो वज़िन 2020 । ।

मेन्स के लयि:

गैंडा, इसकी प्रजातयिाँ, खतरे और संरक्षण ।

चर्चा में क्यों?

हाल के एक अध्ययन के अनुसार, समय के साथ गैंडे **के सींग का आकार संकुचति होता जा रहा है जसिके लयि शकिार को उत्तरदायी माना गया है।**

- इस अध्ययन में **पाँच शताब्दयिों से अधकि समय तक की जानवर की कलाकृतयिों और तस्वीरों का वश्लिेषण कर** एक दलिचस्प शोध दृष्टकिोण का इस्तेमाल कयिा गया है।
- यह अध्ययन नीदरलैंड स्थति **राइनो रसिर्च सेंटर (RRC)** द्वारा नरि्मति चति्रों के भंडार पर आधारति था।

नष्किर्ष:

- **गैंडे की पाँच प्रजातयिाँ** (अफ्रीका में सफेद और काले गैंडे, एशयिा में एक सींग वाला गैंडा, जावन और सुमात्रन राइनो प्रजातयिाँ) अभी भी **आवास के नुकसान तथा शकिार के कारण संकटग्रस्त हैं।**
- **गंभीर रूप से संकटग्रस्त सुमात्रन राइनो में सींग की लंबाई में गरिावट की दर सबसे अधकि** थी और अफ्रीका के सफेद गैंडे में सबसे कम थी, जो जंगली एवं पालतू दोनों मामले **में सबसे अधकि पाई जाने वाली प्रजाति है।**
    - यह अवलोकन अन्य जानवरों में देखे गए पैटर्न का अनुसरण करता है,**जैसे हाथयिों में टस्क का आकार और जंगली भेड़ में सींग की लंबाई में** शकिार के कारण कमी आई है।
- **यूरोपीय साम्राज्यवाद (16वीं और 20वीं सदी के बीच) के दौरान गैंडों को आमतौर पर शकिार ट्रॉफयिों के रूप में परलिक्षति कयिा जाता था, लेकनि उन्हें 20वीं सदी के मध्य से** एक संरक्षण संदर्भ में तीव्रता से चह्नित कयिा गया क्योंकि मनुष्य और गैंडों के बीच उपभोगवादी धारणा में सुधार होने से अब यह बेहतर हो गया है।

राइनो के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य:

- **वषिय:**
    - **गैंडों की पाँच प्रजातयिाँ हैं** - अफ्रीका में सफेद और काले गैंडे, एशयिा में एक-सींग वाले, जावन और सुमात्रन गैंडों की प्रजातयिाँ। ।
- **IUCN की रेड लसि्ट:**
    - **ब्लैक राइनो:** गंभीर रूप से लुप्तप्राय। अफ्रीकी **राइनो** की दो प्रजातयिों में से एक जसिका आकार छोटा होता है।
    - **व्हाइट राइनो:** हाल ही में शोधकर्त्ताओं ने इन वटि्रो फर्टलिाइज़ेशन (In vitro Fertilization) प्रक्रयिा का उपयोग करके इस राइनो का एक भ्रूण बनाया है।
    - **जावा राइनो:** यह IUCN की रेड लसि्ट में गंभीर रूप से संकटग्रस्त **(Critically endangered)** की श्रेणी में शामलि है।
    - **सुमात्रन राइनो:** मलेशयिा में अब यह वलिुप्त हो गई है।
    - **एक सींग वाले गैंडे:** सुभेद्य
- **भारतीय गैंडा**:
    - **वषिय:**
        - भारत में केवल **एक सींग वाला गैंडा** पाया जाता है।
        - इसे **भारतीय गैंडा (राइनो)** के रूप में भी जाना जाता है, यह राइनो प्रजातयिों में सबसे बड़ा है।
        - यह एकल काले सींग और त्वचा की वभिन्नि परतों तथा भूरे रंग की खाल से पहचाना जाता है।

- वे मुख्य रूप से घास के साथ-साथ पत्तियों, झाड़ियों और पेड़ों की शाखाओं, फलों एवं जलीय पौधों से युक्त आहार चरते है।
- वे ज़्यादातर चरते रहते हैं और घास के साथ-साथ पत्तियाँ, झाड़ियाँ और पेड़ की शाखाएँ, फल और जलीय वनस्पतियाँ खाते हैं।

- **आवास:**
  - यह प्रजाति इंडो-नेपाल के तराई क्षेत्र, उत्तरी पश्चिमी बंगाल और असम तक सीमित है।
  - भारत में गैंडे मुख्य रूप से असम, पश्चिमी बंगाल और उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं।
  - असम में चार संरक्षित क्षेत्रों (पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य, राजीव गांधी ओरंग नेशनल पार्क, काज़ीरंगा नेशनल पार्क एवं मानस राष्ट्रीय उद्यान) में 2,640 गैंडे हैं।
    - इनमें से लगभग 2,400 गैंडे काज़ीरंगा नेशनल पार्क और टाइगर रिज़र्व (Kaziranga National Park and Tiger Reserve) में हैं।
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - **IUCN की रेड लिस्ट**: सुभेद्य (Vulnerable)।
  - **CITES**: परिशिष्ट I (इसमें 'लुप्तप्राय' प्रजातियों को शामिल किया जाता है, जिनका व्यापार किये जाने के कारण उन्हें और अधिक खतरा हो सकता है।)
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972**: अनुसूची-I
- **खतरा:**
  - सींगों के लिये अवैध शिकार
  - पर्यावास की हानि
  - जनसंख्या घनत्व
  - घटती जेनेटिक विविधता

भारत द्वारा संरक्षण के प्रयास:

- राइनो रेंज के पाँच देशों (भारत, भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया) ने इन प्रजातियों के संरक्षण एवं सुरक्षा के लिये न्यू डेल्ही डिक्लेरेशन ऑन एशियन राइनोज़ (The New Delhi Declaration on Asian Rhinos), 2019 पर हस्ताक्षर किये हैं।
- हाल ही में **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC)** ने देश में सभी गैंडों के लिये डीएनए प्रोफाइल बनाने हेतु एक परियोजना शुरू की है।
- **राष्ट्रीय राइनो संरक्षण रणनीति:** इसे वर्ष 2019 में एक-सींग वाले गैंडों के संरक्षण के लिये लॉन्च किया गया था।
- **इंडियन राइनो विज़न 2020:** इसे वर्ष 2005 में शुरू किया गया। भारतीय राइनो विज़न 2020 के तहत वर्ष 2020 तक भारतीय राज्य असम में स्थित सात संरक्षित क्षेत्रों में फैले एक सींग वाले गैंडों की आबादी को बढ़ाकर कम-से-कम 3,000 से अधिक करने का एक महत्त्वाकांक्षी प्रयास था।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2019)

1. एशियाई शेर प्राकृतिक रूप से केवल भारत में पाया जाता है।
2. दो-कूबड़ वाला ऊँट प्राकृतिक रूप से केवल भारत में पाया जाता है।
3. एक-सींग वाला गैंडा प्राकृतिक रूप से केवल भारत में पाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

[स्रोत: द हिंदू]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rhino-horns-are-shrinking